पंटा दिलाना	किसी मांगने या चाहनेवाले को कोई वस्तु न देना। किसी मांगी या चाही हुई वस्तु का अभाव बतलाना।
पंटा सिलाना	व्यर्थ का काम करना। फेरा मारना। सिर पटकना। हाथ मलना। ऐसा काम करना जिसमें कुछ हाथ न लगे।
पंटे मोरछल से उठाना	अत्यन्त वृद्ध के शव को बाजे गाजे के साथ श्मशान पर ले जाना।
पट पट करना	न्याय, वेदान्त की चर्चा करना या बक्स करना।
पट में बसना	हृदय में स्थापित होना। बस में बसना। ध्यान पर चढ़ा रहना। (किसी बात का) मन में बैठना। हृदयंगम होना।
पटका लगना	मरते समय तक कफ फेंकना।
पटती का पहरा	अवनति के दिन। बुरा जमाना।
पटा उठना	मेघमाला का उमड़ना।
पटा घिरना	आकाश का बादलों से ढक जाना।
पटा छाना	आकाश का बादलों से ढक जाना।
पटाव पर होना	बाढ़ का कम होना।
पटी आना	व्यवसाय में हानि होना।
पटी पड़ना	व्यवसाय में हानि होना।
पट्टा झुलना	फरार होना। फट जाना।
पट्ठा पड़ना	अभ्यास होना। मश्क होना। आदत पड़ना।
घड़ियां गिनना	किसी बात का बड़ी उत्सुकता के साथ आसरा देखना। अत्यन्त उत्कंठित होकर प्रतीक्षा करना। मृत्यु का आसरा देखना। मरने के निकट होना। उ०- मानहु मीनु घरी

घर आबाद होना	घर बसना। घर में स्त्री का आना। विवाह होना।
घर उठना	घर बनना। घर पर तबाही आना।
घर उजड़ना	परिवार की दशा बिगड़ना। कुल की समृद्धि नष्ट होना। घर पर तबाही आना। घर की सम्पत्ति नष्ट होना। परिवार पर विपत्ति आना। घर के प्राणियों का तितर बितर होना या मर जाना। पत्नी का मर जाना।
घर करना	बसना। रहना। निवास करना। घर बनाना। किसी वस्तु का जमने या ठहरने के लिए जगह बनाना। समाने या अंटने के लिए स्थान निकलना। घुसना। धंसना। बिल बनाना। छेद करना। घर का प्रबन्ध करना। घर सम्भालना। किफायत से चलना। इतना पसन्द आना कि उसका ध्यान सदा बना रहे। प्रिय होना। प्रेमपात्र होना।
घर करना	ठीक स्वर के साथ गाना। चिड़ियों का अच्छी बोली बोलना।
घर का अच्छा	समृद्ध कुल का। अच्छे खानदान का। खाने पीने से खुश। खुशहाल।
घर का आदमी	अपने कुटुम्ब का प्राणी। भाई बन्धु। इष्ट मित्र।
घर का आंगन हो जाना	घर खंडहर हो जाना। घर उजड़ जाना। घर पर तबाही आना। स्त्री को बच्चा होना। घर में सन्तान उत्पन्न होना।
घर का उजाला	कुलदीपक। कुल की समृद्धि करनेवाला। कुल की कीर्ति बढ़ानेवाला। भाग्यवान। अत्यन्त प्रिय। लाड़ला। रूपवान।

घर का काटे खाना	घर में तनिक भी जी न लगना।घर का भयानक लगना।
घर का घर	घर के सब आदमी।अपना घर।
घर का घरौना करना	घर उजाड़ना।घर सत्यानाश करना।
घर का चिराग	घर भर का प्यारा,बहुत सुन्दर बेटा। घर की शोभा।
घर का न घाट का	जो कहीं का न हो। निकम्मा। जिसके रहने का कोई निश्चित स्थान न हो।
घर का नाम डुबोना	कुल को कलंकित करना।अपने भ्रष्ट और निकृष्ट आचरण से अपने परिवार की प्रतिष्ठा खोना।
घर का बोझ	गृहस्थी का कारबार।
घर का बोझ उठाना	गृहस्थी का काम-काज देखना।घर का प्रबन्ध करना।
घर का बोझ सम्भालना	घर का काम-काज देखना।घर बार संभालना।
घर का भेदी	घर का सब भेद जाननेवाला।ऐसा निकटस्थ मनुष्य जो सब रहस्य जानता हो।उ०- घर का भेदिया लंका ढाहे।
घर का भोला	अपने परिवार में सबसे भूखी बिलकुल सीधा सादा।
घर का मर्द	जो घर में ही बहादुरी दिखा सके।
घर का रास्ता	सीधा या सरल काम।
घर का रास्ता लेना	चल देना। सिधारना।घर को वापस जाना।
घर का हिसाब	अपने लेन-देन का लेखा। निज का लेखा। अपने इच्छानुसार किया हुआ हिसाब। मनमाना लेखा।
घर काटने दौड़ना	घर में रहना अच्छा न लगना।घर उजाड़ और भयानक लगना।घर में उदासी छाना

घर की	घरवाली।गृहिणी।स्त्री।
घर की सैती	अपनी ही वस्तु।अपने यहां होने या मिलने वाली वस्तु।
घर की पूंजी	अपने पास की सम्पत्ति।निज का धन।
घर की बात	कुल से सम्बन्ध रखनेवाली बात।आपस की बात।आत्मीय जनों के बीच की बात।
घर की मुर्गी	घर का लायक,पर बेकदर आदमी।पत्नी।
घर की मुर्गी दाल बराबर	घर की अच्छी चीज की भी कद्र नहीं होती।
घर के घर	घर हीं घर में।अन्दर ही अन्दर।बहुत से घर।गुप्त रीति से।
घर के घर बन्द होना	बहुत से घरों का उजड़ जाना।बहुत से घरों के रहनेवालों का मर जाना या कहीं चला जाना।
घर के घर रहना	किसी व्यवसाय में न हानि उठाना और न लाभ।बराबर रहना।
घर के जाले बुहारना	घर घर फिरना,भटकना।
घर के बाढ़े (ग्वालिन घर (की) (ही) बाढ़ी। निस दिन देखत अपने ही आँगन ठाढ़ी। सूर।)	घर ही में बढ़ बढ़ कर बातें करनेवाला।बाहर कुछ पुरुषार्थ न दिखानेवाला।पीठ पीछे शेखी बघारनेवाला।सामने न आनेवाला।उ०- (क) मिले न कबहुं सुभट रन गाढ़े।द्विज देवता घरहिं के बाढ़े।तुलसी।(ख) ग्वालिन घर ही की बाढ़ी।निस दिन देखत अपने ही आंगन का ठाढ़ो।सूर।(ख)
घर खाली छोड़ना	वार न करना।वार चूक जाना।
घर खाली देना	वार न करना।वार चूक जाना।
घर खोज मिटा	जिसके घर का चिन्ह तक न रह जाय।जिसका कुल नाश हो जाय।नष्ट।निगोड़ा।
घर खोज मिटे	घर बरबाद हो।सत्यानाश हो।(स्त्रियों का अभिशाप)।

घर घर	हर एक घर में। सब के यहां।
घर घर का हो जाना	तितर बितर हो जाना। इधर उधर हो जाना। मारे मो फिरना। बे ठिकाने हो जाना। उ०- तेरे मारे यातुधान भये घर घर के। ।तुलसी।
घर घलना	घर बिगड़ना। घर उजड़ना। परिवार की बुरी दशा होना। कुल में कलंक लगना। उ०- कहे हो बिना घर कैसे घलै जू। देव।
घर घाट मालूम होना	रंग ढंग। मालूम होना। सारी अवस्था विदित होना। दशा का पूर्ण परिचय होना। सब भेद मालूम होना। कोई बात छिपी न रहना।
घर घाम में छवाना	विपत्ति में डालना।
घर घालना	घर बिगाड़ना। परिवार में अशान्ति या दुःख फैलाना। परिवार को हानि पहुंचाना। कुल को दूषित करना। कुल की मर्यादा भ्रष्ट करना। कुल में कलंक लगाना। लोगों को मोहित करके वश में करना। प्रेम से व्यथित करना।
घर घुसना	घर में घुसा रहनेवाला। हर घड़ी अन्तःपुर में पड़ा रहनेवाला। सदा स्त्रियों के बीच बैठा रहनेवाला। सदा बाहर निकलकर काम काज न करनेवाला।
घर चढ़कर लड़ने आना	लड़ाई करने के लिए किसी के घर पर जाना।
घर चलना	गृहस्थी का निर्वाह होना। घर का खर्च चलना।
घर चलाना	गृहस्थी का निर्वाह करना।
घर जमना	गृहस्थी ठीक होना। घर का सामान इकट्ठा होना।
घर जाना	घर का बिगड़ना। कुल का नाश होना।
घर जुगुत	गृहस्थी का प्रबन्ध।

घर फंकनी	एक घर से दूसरे घर घुमनेवाली। अपने घर न बैठनेवाली।
घर डुबोना	घर की सम्पत्ति नष्ट करना। घर तबाह करना। कुल में कलंक लाना।
घर डूबना	घर तबाह होना।
घर तक पहुंचना	मां बहिन की गाली देना। बाप दादों तक बढ़ जाना। बाप दादे बखानना। पूरा करना।
घर तक पहुंचाना	समाप्ति तक पहुंचाना। सम्पूर्ण करना। ठिकाने तक ले जाना। बात को ठीक ठीक समझा देना। कायल करना।
घर दामाद लेना	दामाद को अपने घर रखना।
घर देखना	किसी के घर कुछ मांगने जाना। रास्ता देख लेना। परख जाना। ढरां निकाल लेना।
घर देख लेना	रास्ता देख लेना। परख जाना। ढरां निकाल लेना। बार बार कुछ मांगने जाना।
(किसी के)घर पड़ना	किसी के घर में पत्नी भाव से जाना। घर में जाना। प्राप्त होना। मिलना। मोल मिलना। पत्नी, बहू होकर जाना। ब्याहा जाना।
घर पर गंगा आना	बिना परिश्रम के काम पूरा हो जाना।
घर पीछे	एक एक घर में। एक एक घर से।
घर फटना	मकान की दीवार आदि में दरार पड़ना। घर में बच्चा उत्पन्न होना। छाती फटना। बुरा लगना। असह्य होना। न सहा। घर में बिगाड़ होना।
घर फूंक तमाशा	घर का सत्यानाश करनेवाली बात। ऐसी बात जिससे घर की सम्पत्ति नष्ट हो। घर पर तबाह लानेवाली चाल ढाल।
घर फूंक तमाशा देखना	घर की सम्पत्ति नष्ट करके अपना मनोरंजन करना। अपनी हानि करके मौज उड़ाना।

घर फोड़ना	घर में विग्रह उत्पन्न करना। परिवार में झगड़ा लगाना। परिवार में उत्पन्न खड़ा करना।
घर बन्द होना	शतरंज या चौसर में किसी मोहरे या गोट का किसी घर में न जा सकना। घर में ताला लगना। घर में प्राणी न रह जाना। घर का कोई मालिक न रहना। घर के प्राणियों का तितर बितर होना। किसी घर से कोई सम्बन्ध न रह जाना।
घर बनना	मकान तैयार होना। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी होना। घर सम्पन्न होना। घर भरा पूरा होना।
घर बनाना	मकान तैयार करना। निवास स्थान ठहराना। बसना। जम कर रहना। घर भरना। घर को धन-धान्य से पूर्ण करना। घर की आर्थिक दशा सुधारना। अपना लाभ करना।
घर बरबाद होना	घर बिगड़ना। घर की समृद्धि नष्ट होना। परिवार की दशा बिगड़ना।
घर बसना	कुटुम्ब सहित सुखपूर्वक स्थिति होना। घर आबाद होना। घर में प्राणियों का होना। उ०- नारद बचन न मैं परिहरूं। बसउ भवन, उजरउ नहिं डरूं। तुलसी। घर की दशा सुधरना। घर में धन-धान्य होना। घर में स्त्री या बहू आना। ब्याह होना। दूलहा दुलहिन का समागम होना।
घर बसाना	गृहस्थी जमाना। घर आबाद करना। घर में नये प्राणी लाना। घर की दशा सुधारना। घर को धन-धान्य से पूरित करना। घर में स्त्री या बहू लाना। विवाह करना।
घर बह जाना	सब नष्ट हो जाना। उ०- खेत में उपजे सब जग खाया। घर में होय तो घर बहि जाय।
घर बिगाड़ना	घर में फूट या कलह पैदा करना। घर सम्पत्ति को नष्ट करना।

घर बिगाड़ना — घर उजाड़ना। घर की समृद्धि नष्ट करना। घर तबाह करना। परिवार की हानि करना। घर में फूट फैलाना। घर में झगड़ा खड़ा करना। घर के प्राणियों में परस्पर लड़ाई कराना। कुलटा को बहकाना। घर की बहू बेटी को बुरे मार्ग पर ले जाना।

घर बेचिराग़ हो जाना — बेटे का मर जाना। कोई नामलेवा न रह जाना।

घर बैठना — घर में बैठना। एकान्त सेवन करना। काम पर न जाना। काम छोड़ना। नौकरी छोड़ना। कोई काम न मिलना। बेकार रहना। बेरोजगार रहना। जीविका न रहना। अधिक वर्षों से मकान का गिरना। किसी के घर पत्नी भाव से जाना। किसी को पुं पति बनाना।

घर बैठे — बिना कुछ काम किये। बिना हाथ पैर डुलाये। बिना परिश्रम। बिना कहीं गये। बिना कुछ देखे भाले। बिना बाहर जाकर सब बातों का पता लगाये। बिना देश काल की अवस्था जाने। बिना एक ही स्थान पर रहते हुए।

घर बैठे की नौकरी — बिना परिश्रम की नौकरी।

घर भर — घर के सब प्राणी। सारा परिवार।

घर भरना — घर को धन धान्य से पूर्ण करना। अपना लाभ करना। माल अपने घर में रखना। (अकर्मक) घाटा पूरा होना। हानि की पूर्ति होना। घर का प्राणियों से भरना। घर में मेहमानों और कुटुम्ब वालों का एकत्रित होना। (किसी को) खूब धन देना।

घर मुसना — घर में चोरी होना।

घर में — स्त्री। घरवाली।

घर में कहना — ठीक स्वर के साथ गाना।

घर में घुसना आना — बड़ी कठिनता का सामना होना। विपत्ति आ

घर में डालना	(किसी स्त्री को) रखैलो बना लेना। रख लेना, और बनाना
घर में पड़ना	पत्नी, बहू होकर जाना। विवाहा जाना।
घर में बसना	सुखपूर्वक गृहस्थी में रहना। उ०- सुनत वचन विहंसे रिषिय गिरि संभव तव देह। नारद कर उपदेस कहहु बसेउ की गेह। तुलसी।
घर लुटना	घर का माल चोरी जाना या अपहृत होना।
घर सिर पर उठा लेना	बहुत शोर, ऊधम मचाना।
घर से	पास से। पल्ले से। पति। स्वामी। स्त्री। पत्नी।
घर से देना	अपने पास से देना। अपनी गांठ से देना। अपना रुपया खोना। स्वयं हानि उठाना।
घर से पांव निकालना	इधर उधर बहुत घूमना। शासन में न रहना। स्वेच्छाचार करना। मर्यादा के बाहर चलना।
घर से बाहर पांव निकालना	बित से बाहर काम करना। समाई से अधिक खर्च करना।
घर सेना	घर में पड़े रहना। बाहर न निकलना। बेकार बैठे रहना। इधर उधर काम धंधे के लिए न जाना।
घर हो के घर रहना	न हानि उठाना, न लाभ। बराबर रहना।
घर होना	गृहस्थी चलना। निर्वाह होना। घर का काम चलना। घर के प्राणियों में मेल जोल होना। घर में सुख शांति होना। स्त्री पुरुष में बनना।
घर्रा चलना	मरते समय कफ छेंकने के कारण सांस का घरघराहट के साथ रुक रुक कर निकलना। घुंघरू बोलना। घटका लगना।
घाट घाट का पानी पीना	चारों ओर देश देशान्तर में घूम कर अनुभव प्राप्त करना। अनेक स्थानों में अनेक प्रकार के व्यापारों में रहकर जानकार होना। इधर उधर मारे मारे फिरना। कई घर बदलना। बहुतेरे [illegible]

घाट घरना	राह छेंकना। जबरदस्ती के लिए रास्ते में खड़े होना। उ०- घाट घर्‌यो तुम यहै जानि कै करत ठगन के फंदा। सूर।
घाट नहाना	किसी के मरने पर उदक क्रिया करना।
घाट मारना	नदी की उतराई न देना। नाव या पुल का महसूल दिये बिना चले जाना।
(किसी) घाट लगना	नाव का किनारे पहुंचना। कहीं ठिकाने लगना। आश्रय मिलना।
घाटा उठाना	हानि सहना। नुकसान में पड़ना।
घाटा भरना	नुकसान भरना। अपने पल्ले का रुपया देना। हानि कसर निकालना। कमी पूरी करना।
घात चलाना	मारन मोहन आदि प्रयोग करना। मूठ चलाना। जादू टोना करना।
घात पर चढ़ना	किसी की ऐसी स्थिति होना जिससे दूसरे का मतलब सिद्ध हो। अभिप्राय साधन के अनुकूल होना। दांव पर चढ़ना। वश में आना। हत्थे चढ़ना। चाल में फंसना।
घात में	ताक में। उ०- नर सों बचि रहो, करै न कबहूं घात। वृ०।
घात में आना	अभिप्राय साधन के अनुकूल होना। दांव पर चढ़ना। वश में आना। हत्थे चढ़ना।
घात में पाना	किसी को ऐसी स्थिति में पाना जिससे कोई अर्थ-सिद्ध हो। वश में पाना।
घात में फिरना	ताक में घूमना। अनिष्ट साधन के लिए अनुकूल अवसर ढूंढते फिरना।
घात में बैठना	आक्रमण करने या मारने के लिए छिप कर बैठना। किसी के विरुद्ध कोई कार्य करने के लिए गुप्त रूप से तैयार रहना। उ०- चित्रकूट अचल अहेरी बैठो घात मानो पातक के व्रात घोर सावज संघारिहैं। तुलसी।

घात में रखना — किसी के विरुद्ध कोई कार्य करने के लिए अनुकूल अवसर ढूंढते रहना। ताक में रहना।

घात में होना — किसी के विरुद्ध कार्य करने की ताक में रहना।

घात लगना — सुयोग मिलना। किसी कार्य के लिए अनुकूल स्थिति होना। उ०- हमिरउ लागी घात तब हमहुं देब कलंक। विश्राम। अच्छा मौका मिलना।

घात लगाना — ताक में बैठना। आक्रमण आदि के अवसर की खोज में रहना। उ०- कैलि के राति अघाने नहीं दिन ही में लला पुनि घात लगाई। मतिराम।

घातें बताना — चाल सिखाना। चालाकी करना। रास्ता बतलाना। बहलाना।

घान उतरना — कोल्हू में एक बार डाली हुई वस्तु से तेल या रस आदि निकलना। कढ़ाई में से पकवान निकलना।

घान उतारना — कोल्हू में से तेल, रस आदि तथा कढ़ाई में से पकवान आदि निकालना।

घान डालना — कोल्हू में पेरने या कढ़ाई में एक बार में तलने के लिए वस्तु डालना। किसी काम में हाथ लगाना।

घान पड़ जाना — किसी काम में हाथ लग जाना। किसी कार्य का आरम्भ हो जाना।

घान पड़ना — कोल्हू में पेरने या कढ़ाई में पकाने के लिए वस्तु का डाला जाना।

घान लगना — घान का कार्य आरम्भ होना।

घानी करना — पेरना।

घाम में लाना — गर्मी के लिए धूप में रखना। ऐसे स्थान पर रखना जहां धूप या सूर्य की गर्मी का प्रभाव पड़े।

घाम बचाना — कष्टदायक घात से बचना।

घाम बराना — कष्टदायक बात से बचना।

घाम लगना — लू लगना।

घाल न गिनना — पसंगे बराबर भी न समझना। तुच्छ समझना। हेय समझना। उ०-(क) रघुवीर बल गर्वित विभिषण घाल नहिं ता कहं गनै। तुलसी। (ख) बीर करि केसरी कुठारपानि मानी हार तेरी कहा चली बिड तो को गनै घाल को। तुलसी। (ग) चढ़हिं कुंवर मन करैं उछाहूं। आग घाल गनै नहि काहू। जायसी।

घाव खाना — घायल होना। आहत होना।

घाव देना — दुःख पहुंचाना। शोक में डालना।

घाव पर नमक छिड़कना — दुःख के समय और दुःख देना। शोक पर और शोक उत्पन्न करना।

घाव पूजना — घाव का अच्छा होना। घाव का भरकर सूख जाना।

घाव भरना — घाव का भरकर सूख जाना।

घास काटना — तुच्छ काम करना। छोटा और सहल काम करना। व्यर्थ काम करना। निरर्थक काम करना। उ०- तुम सों प्रेम कथा को कहिबो मनो काटिबो घास। सूर। किसी काम को बेपरवाही से जल्दी जल्दी करना।

घास खाना — पशु बनना। पशु के समान होना। घोर मूर्खता का परिचय देना।

घास खोदना — तुच्छ काम करना। छोटा और सहल काम करना। व्यर्थ काम करना। निरर्थ काम करना। किसी काम को बेपरवाही से जल्दी जल्दी करना।

घास छीलना — ~~खुरपे से घास को जड़ के पास से काटना।~~ तुच्छ काम करना। व्यर्थ काम करना।

घिग्घी बंधना — रोते रोते सांस का रुक रुक कर निकलना। बी

	स्पष्ट शब्द मुंह से बाहर न होना। घिघ्घी बंधना। डर के मारे मुंह से साफ बोली न निकलना।
घिन खाना	घृणा करना।
घिरनी खाना	चक्कर लगाना। चारों ओर फिरना।
घिरिया में घिरना	असमंजस या कठिनता में पड़ना। ऐसी अवस्था में पड़ना जिससे निस्तार कठिन हो।
घिस घिस कर चलना	बहुत दिनों तक खूब काम में लाया जाना और चलना।
घिस लगाने को नहीं	घिस कर तिलक या अंजन लगाने भर को भी नहीं। लेश मात्र नहीं।
घी कड़कड़ाना	साफ और सोंधा करने के लिए घी को तपाना।
घी का कुप्पा लुढ़कना	किसी बहुत बड़े धनी का मर जाना। किसी बड़े आदमी की मृत्यु होना। भारी हानि होना। बहुत नुकसान होना।
घी का डोरा	घी की धार जो दाल आदि में डालते समय बंध जाती है।
घी का डोरा देना	किसी भोजन में तपाया हुआ घी डालना।
घी के जलना	कामना पूरी होना। मनोरथ सफल होना। उत्सव होना। समृद्धि होना।
घी के दिये जलना	कामना पूरी होना। मनोरथ सफल होना। आनन्द मंगल होना। उत्सव होना। सुख सौभाग्य की दशा होना। धनधान्य की पूर्णता होना। समृद्धि होना। ऐश्वर्य होना।
घी के दिये जलाना	(मनोरथ पूरी होने पर) आनन्द मंगल मनाना। उत्सव मनाना। सुख सम्पत्ति का भोग करना। बड़े सुख चैन से रहना।

घी के दिये भरना	आनंद मंगल मनाना। उत्सव मनाना। उ०- भूप भरत कपिराज के पाप कर्त्यों सब दीप पान भरी सब घी की। हनुमान। सुख सम्पत्ति का भोग करना। बड़े सुख चैन से रहना।
घी खिचड़ी	खूब मिला जुला।
घी खिचड़ी होना	खूब मिल जुल जाना। अभिन्न हृदय होना। प्रगाढ़ प्रेम होना।
घुंघनियां मुंह में रख कर बैठना	चुपचाप बैठना। मौन होकर बैठना।
घुंघरू बांधना	नाचने में चेला करना। नाचने के लिए तैयार होना।
घुंघरू बोलना	घर्रा लगना। घटका लगना। मरते समय कफ छेंकना।
घुंघरू सा लदना	शरीर में अत्यधिक फुंसिया, चेचक या छाले आदि निकलना।
घुंडी लगाना	घुंडी टांकना। घुंडी में तुकमे से अंगरखे आदि का पल्ला अटकाना।
घुटकी लगना	प्राण का कंठगत होना।
घुट-घुट करके जान देना	घुल-घुलकर, असह्य कष्ट सहते हुए मरना।
घुट-घुट कर मरना	दम तोड़ते हुए सांसत से मरना। असह्य कष्ट सहते हुए मरना।
घुटने टेकना	घुटनों के बल बैठना। अधीनता स्वीकार करना। पराजय स्वीकार कर लेना।
घुटनों के बल चलना	बच्चे का बैयां बैयां चलना।
घुटनों में सिर देना	सोच में बैठना। चिन्तित या उदास होना। लज्जित होना। सिर नीचा करना।
घुटनों से लगकर बैठना	हर घड़ी पास रहना। सटे रहना।
घुटा हुआ	मुंडा हुआ। सफाचट (सिर)। बहुत चालाक। काइयां।

घुट्टी में पड़ना	स्वभाव के अन्तर्गत होना। उ०- घुट्टी पान करत हरि रोवत। सूर।
घुन फड़ना	घुन खाई हुई लकड़ी का चूर गिरना।
घुन लगना	घुन का अनाज या लकड़ी को खाना। भीतर ही भीतर किसी वस्तु का क्षीण होना। धीरे धीरे अप्रत्यक्ष रूप में किसी वस्तु का ह्रास होना। उ०- कीट मनोरथ दारु शरीरा। जेहि न लाग घुन को अस धीरा। तुलसी।
घुल कर कांटा होना	बहुत दुबला हो जाना। इतना दुबला हो जाना कि शरीर की हड्डियां दिखाई दें।
घुल-घुलकर जान देना	रोग-शोक से क्रमशः क्षीजकर, सूख कर, बहुत दिनों तक कष्ट उठाकर मरना।
घुल-घुलकर बातें करना	खूब मिल जुलकर बातें करना। अभिन्न हृदय होकर बातें करना। बड़ी घनिष्ठता के साथ बातें करना।
घुल-घुलकर मरना	बहुत दिनों तक कष्ट भोगकर मरना।
घुल मिलकर	खूब मेल जोल के साथ।
घुला हुआ	बुड्ढा। खूब पका हुआ। पिलपिला।
घुस कर बैठना	छिप रहना। सामने न आना। पास पास बैठना। सट कर बैठना।
घूंघट उठाना	मुंह खोलने के लिए घूंघट को ऊपर उठाना परदा हटाना।
घूंघट उलटना	मुंह खोलने के लिए घूंघट को ऊपर उठाना। परदा हटाना।
घूंघट करना	साड़ी, दुपट्टे आदि से मुंह को ढक लेना। परदा करना।
घूंघट काढ़ना	साड़ी, दुपट्टे आदि से मुंह को ढक लेना। परदा करना।

घूंघट निकालना	साड़ी,दुपट्टे आदि से मुंह को ढक लेना। परदा करना।
घूंट घूंट कर मारना	तंग करके मारना। दुःख पहुंचा पहुंचा कर मारना।
घूं फूंकना	किसी पीने की वस्तु का बहुत थोड़ा सा अंश पीने के पहले पृथ्वी पर गिराना जिसमें नजर न लगे या किसी देवी देवता का अंश निकल जाय।
घूंट लेना	घूंट घूंट करके पीना। बहुत थोड़ा थोड़ा करके पीना।
घूंसों का क्या उधार ?	मार का बदला मार से लेने में क्या देर ? मार पीट का बदला तुरन्त लें। मारने वाले को तुरन्त मारना चाहिए।
घूम पड़ना	सहसा क्रुद्ध हो जाना। बिगड़ उठना।
घोटाले में पड़ना	गड़बड़ में पड़ना। निश्चित या ठीक न होना। अस्थिर रहना।
घोड़ा उड़ाना	घोड़े को तेज,सरपट दौड़ाना।
घोड़ा उलांगना	किसी नये घोड़े पर पहले पहल सवार होना।
घोड़ा कसना	घोड़े पर सवारी के लिए जीन या चार-जामा कसना।
घोड़ा खोलना	घोड़े का साज या चारजामा उतारना। घोड़े को बन्धन मुक्त करना। घोड़ा चुराना या छीनना।
घोड़ा छोड़ना	किसी ओर घोड़ा दौड़ाना। किसी के पीछे घोड़ा दौड़ाना। घोड़े का घोड़ी से समागम कराना। घोड़े को उसके इच्छानुसार चलने देना। दिग्विजय के लिए अश्वमेध का घोड़ा छोड़ना कि वह जहां चाहे वहां चला जाय। घोड़े का साज या चारजामा उतारना।

घोड़ा डालना	किसी ओर वेग से घोड़ा बढ़ाना।
घोड़ा निकालना	घोड़े को सिखलाकर सवारी के योग्य बनाना।घोड़े को आगे बढ़ा ले जाना।
घोड़े पर चढ़े आना	किसी स्थान पर पहुंचकर वहां से लौटने के लिए जल्दी मचाना।
घोड़ा पालना	घोड़े पर काठी या जीन कसना।
घोड़ा फेंकना	किसी दिशा में वेग से घोड़ा दौड़ाना।
घोड़ा फेरना	घोड़े को सिखाकर सवारी योग्य बनाना। घोड़े को दौड़ने का अभ्यास कराने के लिए एक वृत्त में घुमाना।कावा देना।
घोड़ा बेचकर सोना	खूब निश्चि निश्चिन्त होकर सोना।गहरी नींद में सोना।
घोड़े जोड़े की खैर	दुल्हा-दुल्हन और उसकी सवारी सकुशल रहे।
घोड़े पर चढ़ आना	लौटने की जल्दी मचाना।
घोड़ी चढ़ना	विवाह में दुल्हे का घोड़ी पर चढ़कर दुलहिन के घर जाना।
घोलकर पी जाना	सहज में मार डालना।देखते देखते नाश कर डालना।कुछ न गिनना।पारंगत हो जाना।
घोल घो पीना	शरबत की तरह पी जाना।सहज में मार डालना।सहज में नष्ट कर देना।कुछ न समझना।तृण समझना।
घोलुवा घोलना	किसी काम में बहुत देर करना।
घोलुवा पीना	कड़ुई वस्तु (दवा आदि) पीना।
घोले में डालना	खटाई में डालना।रोक रखना।फंसा रखना।उलझन में डाल रखना।किसी काम में बहुत देर लगाना।किसी काम में टालमटूल करना।

धोखे में पड़ना

बखेड़े में पड़ना। उलझन में फंसना। ऐसे काम में फंसना जो जल्दी न निपटे।